WWW.SARKARIDISHA.COM

[UPSSSC Rajasva Lekhpal Exam Syllabus]

9- चयन का आधार (लिखित परीक्षा)-

विज्ञापित पदों पर चयन सीधी भर्ती रीति एवं प्रक्रिया नियमावली-2015, दिनांक- 11 मई, 2015 एवं कार्मिक अनुभाग-2 उत्तर प्रदेश शासन की अधिसूचना संख्या-4/2017/1/1/2017-का-2, दिनांक- 31 अगस्त, 2017 द्वारा प्रख्यापित उत्तर प्रदेश अवर स्तरीय पदों पर सीधी भर्ती (साक्षात्कार का बन्द किया जाना) नियमावली, 2017 व उत्तर प्रदेश शासन के कार्मिक विभाग के शासनादेश संख्या-1103/47-का-3-2020-13/17/2020, दिनांक 20-11-2020 के अनुसार लिखित परीक्षा के आधार पर की जाएगी।

10- परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम- आयोग की सूचना संख्या-164/34/चार/आयोग/2020/टी0सी0, दिनांक 08-12-2021 द्वारा लेखपाल के पदों पर चयन हेतु लिखित परीक्षा की परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाइट पर जारी किया गया है, जो निम्नवत है-

लेखपाल के रिक्त पदों पर चयन हेतु लिखित परीक्षा की परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम

लिखित परीक्षा एक पाली की होगी, जिनमें प्रश्नों की कुल संख्या 100 तथा समयावधि दो घंटा होगी। परीक्षा के प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

परीक्षा योजना

क्र.सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या	निर्धारित अंक	समय-अवधि
1.	सामान्य हिन्दी	25	25	02 घण्टा (120 मिनट)
2.	गणित	25	25	
3.	सामान्य ज्ञान	25	25	
4	ग्राम्य समाज एवं विकास	25	25	
	योग	**100**	**100**	

<u>नोट-</u> उपर्युक्त परीक्षा हेतु निगेटिव मार्किंग (ऋणात्मक अंक) दिये जाने हैं, जो प्रश्न के पूर्णांक का 1/4 अंक (25 प्रतिशत) होगी।

पाठ्यक्रम

1. **सामान्य हिन्दी**

   समास, पर्यायवाची, विलोम, तत्सम एवं तद्भव, संधियां, वाक्यांशों के लिए एक शब्द निर्माण, लोकोक्तियां एवं मुहावरे, वाक्य संशोधन, लिंग, वचन, कारक, काल, वर्तनी, त्रुटि से सम्बन्धित, अनेकार्थी शब्द, अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न।

2. **गणित**

   अंकगणित एवं सांख्यिकी

   संख्या पद्धति, प्रतिशतता, लाभ-हानि, सांख्यिकी आंकड़ों का वर्गीकरण, बारम्बारता, बारम्बारता बंटन, सारणीयन, संचयी बारम्बारता। आंकड़ों का निरूपण, दण्ड चार्ट, पाई चार्ट, आयत चित्र, बारम्बारता बहुभुज। केन्द्रीय माप, समान्तर माध्य, माध्यिका एवं बहुलक।

   बीजगणित

   लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्त्य और उनमें सम्बन्ध, युगपत समीकरण, द्विघात समीकरण, गुणन खंड, क्षेत्रफल प्रमेय।

   रेखागणित

   त्रिभुज सम्बन्धी पाइथागोरस प्रमेय, त्रिभुज, आयत, वर्ग, समलम्ब, समान्तर चतुर्भुज, समचतुर्भुज के परिमाप तथा क्षेत्रफल, वृत्त की परिधि एवं क्षेत्रफल।

WWW.SARKARIDISHA.COM

[अब GOOGLE पर हमेशा WWW.SARKARIDISHA.COM ही टाइप करें]
[JOIN SARKARI DISHA WHATSAPP GROUP – 9818573894]

WWW.SARKARIDISHA.COM

3- सामान्य ज्ञान

सामान्य विज्ञान, राष्ट्र तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएं, भारत का इतिहास भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन, भारतीय राजव्यवस्था तथा अर्थव्यवस्था, विश्व भूगोल तथा जनसंख्या, सामान्य विज्ञान के प्रश्न, दैनिक अनुभव तथा प्रेक्षण से सम्बन्धित विषयों सहित विज्ञान के सामान्य प्रबोध एवं जानकारी पर होंगे, जिसकी किसी भी सुशिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का अध्ययन नहीं किया हो।

भारत के इतिहास के अन्तर्गत आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनीतिक पक्षों की व्यापक जानकारी पर ध्यान देना होगा। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन पर अभ्यर्थियों से भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन की प्रकृति तथा विशेषता, राष्ट्रवाद का अभ्युदय तथा स्वतन्त्रता प्राप्ति के बारे में सामान्य ज्ञान अपेक्षित है। भारतीय राज व्यवस्था तथा अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत भारतीय राज व्यवस्था, भारतीय संविधान, भारत की अर्थव्यवस्था तथा नियोजन के व्यापक लक्षणों की जानकारी पर प्रश्न होंगे।

विश्व भूगोल तथा जनसंख्या में केवल विषयों की सामान्य जानकारी की परख होगी जिसमें भारत के भूगोल में भौतिक/पारिस्थितिक, आर्थिक, सामाजिक, जनांकिकीय पक्षों पर विशेष बल दिया जाएगा। अभ्यर्थियों से उपरोक्त की सामान्य जानकारी अभिज्ञा विशेषतः उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में अपेक्षित है।

कम्प्यूटर के प्रारम्भिक ज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न होंगे।

4- ग्राम्य समाज एवं विकास

ग्राम्य विकास भारतीय संदर्भ में, ग्राम्य विकास कार्यक्रम, ग्राम्य विकास योजनाएं एवं प्रबन्धन, ग्राम्य विकास शोध प्रणालियां, ग्रामीण स्वास्थ्य योजनाएं, ग्रामीण सामाजिक विकास, ग्राम्य विकास और भूमि सुधार, त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था, केंद्र व राज्य सरकार की ग्राम्य विकास से सम्बन्धित योजनाएं।

11-लिखित परीक्षा के सम्बन्ध में विशेष नोट -

यदि विज्ञापित पदों के प्रत्युत्तर में प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या अत्यधिक होती है और आयोग के लिए विज्ञापन के सापेक्ष प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा-2021 के स्कोर के आधार पर मुख्य परीक्षा हेतु शार्टलिस्ट किये गये अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने के कारण उनकी लिखित परीक्षा एक ही शिफ्ट में या एक साथ एक ही दिन में आयोजित किया जाना सुविधाजनक नहीं होता है तो उक्त लिखित परीक्षा एक से अधिक शिफ्टों में आयोजित की जा सकती है। यदि परीक्षा एक से अधिक शिफ्टों में आयोजित की जाती है तो अभ्यर्थियों के स्कोर के Normalization की प्रक्रिया लागू होगी। इस संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

WWW.SARKARIDISHA.COM

[अब GOOGLE पर हमेशा WWW.SARKARIDISHA.COM ही टाइप करें]
[JOIN SARKARI DISHA WHATSAPP GROUP – 9818573894]